BSES

धरती मां को बचाने के लिए 27 को मनाया जाएगा अर्थ आवर

इस शनिवार रात 8:30 से 9:30 बजे तक स्वेच्छा से ऑफ रखें अपने घरों की लाइट्स

नई दिल्लीः 22 मार्च। बीएसईएस ने दक्षिण, पश्चिम, मध्य और पूर्वी दिल्ली में रहने वाले अपने 45 लाख उपभोक्ताओं से अपील है कि वे आगामी 27 मार्च, शनिवार को, दुनियाभर में मनाए जा रहे अर्थ आवर में शामिल हों, और रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व कार्यस्थलों की गैरजरूरी लाइट्स व बिजली उपकरण बंद रखें। बीएसईएस खुद भी दिल्ली में 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अपने 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी।

पिछले वर्षों में दिल्ली के लोगों द्वारा अर्थ आवर के दौरान बचाई गई बिजली के आंकड़ेः

साल	दिल्लीवालों द्वारा अर्थ आवर में बचाई गई बिजली
2020	लगभग 79 मेगावॉट
2019	करीब 279 मेगावॉट
2018	305 मेगावॉट
2017	290 मेगॉट
2016	230 मेगावॉट
2015	200 मेगावॉट
2014	250 मेगावॉट
2013	250 मेगावॉट
2012	240 मेगावॉट

कोविड जैसी महामारियों और चौंकाने वाले जलवायु परिवर्तन ने धरती मां के लिए संकट को और बढ़ा दिया है। अचानक से बदलने वाला मौसम, तापमान, अप्रत्याशित बारिश और बेमौसम के आंधी–तूफान, आदि इसी संकट की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में, जरूरी है कि हम अपव्ययी आदतों को छोड़कर ऐसी जीवनशैली अपनाएं, जो धरती के अनुकूल हो। अर्थ आवर इसी दिशा में एक कदम है।

अर्थ आवर, डबलूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का सालाना कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों और कार्यस्थलों पर गैरजरूरी लाइट्स और बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें।

पर्यावरण के प्रति जागरूक कॉरपोरेट नागरिक के नाते बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से पेपर बिल्स की जगह, ई–बिल्स अपनाने की अपील की है। साथ ही, सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने की सलाह भी बीएसईएस ने दी है।

गौरतलब है कि दुनिया में कागज की खपत बेतहाशा बढ़ती जा रही है। ऐसे में, यह हर नागरिक की जिम्मदारी है कि जंगल के इस अनमोल संसाधन का समझदारी के साथ उपयोग करें। ई–बिल यानी इलेक्ट्रॉनिक बिल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

भारत में आमतौर पर साल के 320 दिन धूप खिलती है, लेकिन दुनिया की कुल सौर ऊर्जा के 1 प्रतिशत से भी कम सौर ऊर्जा यहां लगाई गई है। अगर हम ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों को छोड़कर सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों पर ध्यान दें, तो इससे धरती मां की रक्षा होगी।

बीएसईएस प्रवक्ता ने कहा– हम अपने 45 लाख उपभोक्ताओं और अपने क्षेत्र के 1.8 करोड़ निवासियों से अपील करते हैं कि हम धरती मां और आने वाली पीढ़ियों के लिए सही कदम उठाएं। लोग, प्राकृतिक दुनिया की रक्षा कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देने के लिए बीएसईस पहले से ही अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इस कड़ी में बीएसईएस इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन लगाने के साथ साथ बैटरी स्टोरेज, डिमांड साइड मेनेजमेंट की दिशा में भी काम कर रही है। ऊर्जा संरक्षण को व्यवहर के स्तर पर अपनाने की दिशा में भी कई सारी पहल की गई हैं। बीएसईएस अपने उपभोकताओं से यह भी अनुरोध करती है कि समावेशी विकास के लिए रूफटॉप सौर ऊर्जा को अपनाएं।

अर्थ आवर को सफल बनाने के लिए बीएसईएस ने ये कदम उठाएः

- अर्थ आवर से संबंधित एसएमएस
- ईमेल, बीएसईएस बेवसाइट और पोस्टर के माध्यम से संदेश
- कंज्यूमर न्यूज लेटर *संवाद के माध्यम से* अर्थ आवर मनाने की अपील
- कंपनी के हजारों कंप्यूटर– डेस्कटॉप्स पर भी अर्थ आवर से संबंधित मैसेज

दरअसल, अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। यह सिर्फ एक घंटे का मसला नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे शामिल करना होगा। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर धरती मां के प्रति भी हमारी कुछ जिम्मेदारी बनती है। अर्थ आवर जैसे छोटे–छोटे प्रयासों से हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। बात सिर्फ एक घंटे तक बिजली बंद रखने की नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे की सोच रखने का मामला है। हममें से हर किसी के पास बदलाव लाने की क्षमता है। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....